विज्ञापन : भाषा और संरचना

डॉ. रेखा सेठी
एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग
इन्द्रप्रस्थ कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

वाणी प्रकाशन

वाणी प्रकाशन
4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110 002

शाखा

अशोक राजपथ, पटना 800 004

फ़ोन : +91 11 23273167 फ़ैक्स : +91 11 23275710

www.vaniprakashan.in
vaniprakashan@gmail.com
sales@vaniprakashan.in

VIGYAPAN : BHASHA AUR SANRACHNA
by Dr. Rekha Sethi

ISBN : 978-93-5000-471-5
Media

© 2016 डॉ. रेखा सेठी

प्रथम संस्करण

मूल्य : ₹ 50

इस पुस्तक के किसी भी अंश को किसी भी माध्यम में प्रयोग करने के लिए प्रकाशक से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है।

एस.के. ऑफ़सेट, दिल्ली-110 095 में मुद्रित

वाणी प्रकाशन का लोगो मक़बूल फ़िदा हुसेन की कूची से

अनुक्रम

इकाई-1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा 11

- विज्ञापन : अर्थ व परिभाषा
- विज्ञापन का महत्त्व एवं उपयोगिता
- विज्ञापन के उद्देश्य
- विज्ञापन के नये सन्दर्भ

इकाई-2 : विज्ञापन : विविध माध्यम 27

- सामान्य परिचय—प्रिंट, रेडियो, टेलीविज़न, मोबाइल फ़ोन, इंटरनेट
- विज्ञापन माध्यम का चयन
- प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविज़न के लिए कॉपी लेखन

इकाई-3 : विज्ञापन की भाषा 46

- विज्ञापन की भाषा का स्वंरूप
- विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष—सादृश्य विधान, अलंकार, तुकान्तता, समानान्तरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर
- हिन्दी विज्ञापनों की भाषा

इकाई-4 : विज्ञापन-निर्माण का अभ्यास 69

- प्रिंट माध्यम : वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण
- रेडियो जिंगल लेखन
- टेलीविज़न के लिए स्टोरी-बोर्ड निर्माण